28

एम०ए० उत्तरार्द्ध

प्रथम प्रश्नपत्र - आधुनिक काव्य

(सन् : २०१८-१९ की परीक्षा से और उससे आगे.........)

पूर्णांक : १००

अंक-विभाजन :	व्याख्या	तीन ३० अंक (३x१०)
	लघु उत्तरीय प्रश्न	पांच ४० अंक (५x८)
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	दो ३० अंक (२x१५)

निर्धारित कवि और काव्य :

१. मैथिलीशरण गुप्त - ‘साकेत’ का एक सर्ग

२. जयशंकर प्रसाद - ‘कामायनी’ से ~~दो~~ एक सर्ग

३. सूर्यकान्त त्रिपाठी ‘निराला’ - दो कविताएँ

४. सुमित्रानन्दन पन्त - दो कविताएँ

५. ‘अज्ञेय’ - ‘असाध्य वीणा’

६. मुक्तिबोध - एक लम्बी कविता (अंधेरे में)

पाठ्य पुस्तक : ‘आधुनिक काव्य’

सम्पादक : (१) डॉ० प्रभाकर मिश्र, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, आचार्य नरेन्द्र ~~किसान~~ देव किसान पी०जी कालेज, बभनान, गोण्डा। तथा

(२) डॉ० निमलेश कुमार मिश्र, हिन्दी विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय।

द्रुत-पाठ हेतु - अयोध्या सिंह उपाध्याय, हरिऔध, डॉ० हरिवंश राय ‘बच्चन’ तथा धर्मवीर भारती का अध्ययन अपेक्षित होगा। इन पर केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे। व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न केवल मूलपाठ से पूछा जायेगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

१. आधुनिक साहित्य	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
२. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
३. हिन्दी साहित्य : आधुनिक परिदृश्य	:	अज्ञेय
४. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य	:	डॉ० कमलाकान्त पाठक
५. मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति के आख्याता	:	डॉ० उमाकान्त
६. साकेत : रूप-स्वरूप	:	डॉ० शिवमूर्ति शर्मा
७. खड़ी बोली के उत्कर्ष में मैथिलीशरण गुप्त का योगदान	:	डॉ० सहदेव शर्मा
८. प्रसाद का काव्य	:	डॉ० प्रेमशंकर
९. जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला	:	डॉ० रामेश्वरलाल खण्डेलवाल
१०. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन	:	डॉ० द्वारिका प्रसाद सक्सेना
११. भारतीय महाकाव्यों की परम्परा में कामायनी	:	डॉ० विद्या टोपा
१२. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ	:	डॉ० नगेन्द्र
१३. जयशंकर प्रसाद	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
१४. महाप्राण निराला	:	डॉ० गंगाप्रसाद पाण्डेय
१५. क्रान्तिकाली कवि निराला	:	डॉ० बच्चन सिंह
१६. कवि निराला	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
१७. निराला की साहित्य-साधना	:	डॉ० रामविलास शर्मा
१८. विश्व-कवि निराला	:	डॉ० बुद्धसेन नीहार
१९. पन्त का काव्य	:	डॉ० प्रेमलता बाफना
२०. सुमित्रानन्दन पन्त : जीवन और साहित्य	:	डॉ० शान्ति जोशी
२१. सुमित्रानन्दन पन्त	:	डॉ० नगेन्द्र
२२. ज्योति-विहग	:	डॉ० शान्तिप्रिय द्विवेदी
२३. पन्त, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त	:	डॉ० रामधारी सिंह 'दिनकर'
२४. त्रयी	:	डॉ० आचार्य जानकी बल्लभ शास्त्री
२५. छायावाद	:	डॉ० नामवर सिंह
२६. छायावाद : विश्लेषण और मूल्यांकन	:	डॉ० दीनानाथशरण
२७. छायावादी कवियों का सौन्दर्य-विधान	:	डॉ० श्रीदेवी खरे
२८. प्रसाद, निराला, अज्ञेय	:	डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी

२९. छायावादी कवियों का सौन्दर्य-विधान	:	डॉ० सूर्य प्रसाद दीक्षित
३०. छायावाद का काव्य-शिल्प	:	डॉ० प्रतिमा कृष्णबल
३१. दिनकर और उनका काव्य	:	डॉ० जयलक्ष्मी अम्माल
३२. युग-चारण दिनकर	:	डॉ० सावित्री सिन्हा
३३. राष्ट्रीय कवि दिनकर और उनकी काव्य-कला	:	डॉ० शिखरचन्द्र जैन
३४. दिनकर के साहित्य में व्यक्तित्त्व की अभिव्यक्ति	:	डॉ० रमारानी सिंह
३५. दिनकर : पुनर्मूल्यांकन	:	डॉ० बिजेन्द्रनारायण सिंह
३६. उर्वशी : पुनर्मूल्यांकन	:	डॉ० विजेन्द्रनारायण सिंह
३७. कविता के नये प्रतिमान	:	डॉ० नामवर सिंह
३८. अज्ञेय की कविता	:	डॉ० चन्द्रकान्त वान्दिवडेकर
३९. अज्ञेय कवि	:	डॉ० ओम प्रकाश अवस्थी
४०. अज्ञेय चेतना के सीमान्त	:	डॉ० ज्वाला प्रसाद खेतान
४१. अज्ञेय सृजन और सन्दर्भ	:	डॉ० सावित्री मिश्र
४२. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन	:	डॉ० केदारनाथ सिंह
४३. अज्ञेय : व्यक्तित्व-विभाग	:	डॉ० दूर्गाप्रसाद ओझा
४४. अज्ञेय : सौन्दर्य-संधारणा	:	डॉ० दुर्गाप्रसाद ओझा
४५. चालीसोत्तर हिन्दी कविता के हीरक हस्ताक्षर	:	डॉ० दुर्गाप्रसाद ओझा, डॉ० मधु खन्ना, डॉ० इला सुकुमार
४६. मुक्तिबोध	:	डॉ० लक्ष्मणदत्त गौतम
४७. मुक्तिबोध	:	डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
४८. मुक्तिबोध : विचारक, कवि और कथाकार	:	डॉ० सुरेन्द्र प्रताप
४९. मुक्तिबोध : युगचेतना और अभिव्यक्ति	:	डॉ० आलोक गुप्त
५०. मुक्तिबोध की काव्य-कला	:	डॉ० अचला तिवारी
५१. आत्मसंघर्ष की कविता और मुक्तिबोध	:	डॉ० हंसराज त्रिपाठी

द्वितीय प्रश्नपत्र : भाषाविज्ञान एवं हिन्दीभाषा

पूर्णांक : १००

अंक-विभाजन : (क) लघु उत्तरीय प्रश्न ४० अंक (५x८)
(ख) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न ६० अंक (४x१५)

खण्ड (अ) भाषा विज्ञान :

- भाषाविज्ञान की परिभाषा, भाषाविज्ञान के अंग।
- भाषाविज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ- वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।
- भाषाओं का वर्गीकरण- पारिवारिक, आकृतिमूलक।
- भाषा की परिभाषा, भाषा के विभिन्न रूप- भाषा, विभाषा, बोली, उपबोली, लोकभाषा।
- ध्वनिविज्ञान (स्वन विज्ञान)- उच्चारण-अवयव (वागवयव), ध्वनि-वर्गीकरण, ध्वनि-परिवर्तन-कारण और दिशाएँ, ध्वनि-विश्लेषण।
- रूप-विज्ञान, रूप-परिवर्तन
- अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ-परिवर्तन-कारक और दिशाएँ।
- वाक्य-विज्ञान, वाक्य-परिवर्तन, वाक्य के भेद, वाक्य-विश्लेषण, वाक्य-संरचना और भेद।

खण्ड (ख) हिन्दी भाषा :

- हिन्दी भाषा : उद्भव-विकास, क्षेत्र, विविध बोलियों का परिचय।
- हिन्दी शब्द-समूह (हिन्दी की शब्द-सम्पदा)- तत्सम, तद्भव, देशज एवं आगत शब्दावली।
- हिन्दी के व्याकरणिक अवयव- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया-विशेषण, अव्यय, उपसर्ग, परसर्ग, प्रत्यय, लिंग, वचन।
- हिन्दी की संवैधानिक स्थिति (राजभाषा, संचारभाषा आदि) और राष्ट्रभाषा हिन्दी की समस्याएँ तथा समाधान।

खण्ड (ग) देवनागरी लिपि :

- देवनागरी लिपि : उद्भव और विकास।
- देवनागरी लिपि : वैज्ञानिकता एवं विशेषताएँ।

◆ देवनागरी लिपि : त्रुटियाँ और सुधार के उपाय, मानकीकरण की समस्याएँ।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

१. भाषाविज्ञान	:	डॉ० श्यामसुन्दर दास
२. सामान्य भाषाविज्ञान	:	डॉ० बाबूराम सक्सेना
३. भाषाविज्ञान	:	डॉ० भोलानाथ तिवारी
४. भाषाविज्ञान की भूमिका	:	डॉ० देवेन्द्रनाथ शर्मा
५. भाषाविज्ञान शब्द-कोश	:	डॉ० भोलानाथ तिवारी
६. भारत का भाषा-सर्वेक्षण	:	डॉ० गियर्सन
७. हिन्दी भाषा का इतिहास	:	डॉ० धीरेन्द्र वर्मा
८. हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास	:	डॉ० उदयनारायण तिवारी
९. हिन्दी : उद्भव और विकास	:	डॉ० हरदेव बाहरी
१०. हिन्दी भाषा का विकास	:	डॉ० श्यामसुन्दरदास
११. हिन्दी भाषा	:	डॉ० भोलानाथ तिवारी
१२. हिन्दी भाषा का विकास	:	डॉ० देवेन्द्रनाथ शर्मा
१३. भाषा-शास्त्र और हिन्दी भाषा की रूपरेखा	:	डॉ० देवेन्द्रनाथ शर्मा
१४. भाषा-विज्ञान और हिन्दी	:	डॉ० सरयूप्रसाद अग्रवाल
१५. अवधी का विकास	:	डॉ० बाबूराम सक्सेना
१६. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि	:	लक्ष्मीकान्त वर्मा
१७. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ	:	डॉ० नरेश मिश्र
१८. भाषाविज्ञान और मानक हिन्दी	:	डॉ० नरेश मिश्र
१९. भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा	:	डॉ० रामदरश राय
२०. हिन्दी भाषा का विकास	:	डॉ० शिवमूर्ति शर्मा
२१. हिन्दी की शब्द-सम्पदा	:	डॉ० विद्यानिवास मिश्र

तृतीय प्रश्नपत्र

विशेष अध्ययन

विशेष : निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का विशेष अध्ययन अपेक्षित है।

पूर्णांक : १००

अंक-विभाजन :	व्याख्या	तीन ३० अंक (३X१०)
	लघुउत्तरीय प्रश्न	पांच ४० अंक (५X८)
	दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक)	दो ३० अंक (२X१५)

१. कबीर

कबीर-ग्रन्थावली : सम्पादक - डॉ० श्यामसुन्दर दास

२. जायसी

जायसी-ग्रन्थावली : सम्पादक- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

३. सूरदास

'सूरसागर' (भाग १ तथा २) : नागरी प्रचारिणी सभा संस्करण

४. तुलसीदास

तुलसी-ग्रन्थावली : नागरी प्रचारिणी सभा संस्करण

(व्याख्या-केवल रामचरितमानस, विनयपत्रिका और कवितावली से)

५. केशवदास

-केशव-ग्रन्थावली : सम्पादक- आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

(व्याख्या-केशव रामचन्द्रिका, कविप्रिया और रसिकप्रिया से)

६. जयशंकर प्रसाद

-प्रसाद-ग्रन्थावली : सम्पादक-रत्नशंकर प्रसाद

(व्याख्या-केवल कामायनी, आँसू, लहर तथा चन्द्रगुप्त एवं स्कन्दगुप्त)

७. निराला

-निराला-ग्रन्थावली : सम्पादक-ओंकार शरद

(पठनीय-केवल काव्यधारा, साहित्य-पथ तथा परिशिष्ट भाग)

८. प्रेमचन्द

-प्रेमचन्द-ग्रन्थावली : सम्पादक - अमृतराय

(व्याख्या-केवल उपन्यासों से - गोदान, रंगभूमि, कर्मभूमि तथा गबन)

६. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - चिन्तामणि तीनों खण्ड त्रिवेणी

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

१. कबीर

१. कबीर-ग्रन्थावली (भूमिका मात्र)	:	डॉ० माताप्रसाद गुप्त
२. उत्तरी भारत की सन्त-परम्परा	:	पं० परशुराम चतुर्वेदी
३. कबीर-काव्य की परख	:	पं० परशुराम चतुर्वेदी
४. सन्त-साहित्य के प्रेरणा-स्रोत	:	पं० परशुराम चतुर्वेदी
५. कबीर	:	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
६. कबीर एण्ड दि कबीर-पन्थ	:	डब्ल्यू०एच० वेस्टकॉट
७. कबीर का रहस्यवाद	:	डॉ० रामकुमार वर्मा
८. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय	:	डॉ० पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
९. कबीर-साहित्य-चिन्तन	:	पं० परशुराम चतुर्वेदी
१०. कबीर-कोश	:	पं. परशुराम चतुर्वेदी
११. कबीर-मीमांसा	:	डॉ० रामचन्द्र तिवारी
१२. कबीर और कबीर-पन्थ	:	डॉ० केदारनाथ द्विवेदी
१३. कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धान्त	:	डॉ० सरनाथ सिंह शर्मा
१४. सन्त-साहित्य	:	डॉ० प्रेमनारायण शुक्ल
१५. कबीर तथा गांधी के विचारों का तुलनात्मक अध्ययन	:	डॉ० रामजीलाल सहायक
१६. हिन्दी-सन्त-साहित्य	:	डॉ० त्रिलोकीनारायण दीक्षित
१७. कबीर-ग्रन्थावली की भाषा	:	डॉ० विन्दुमाधव
१८. हिन्दी-सन्त-काव्य में प्रतीक-विधान	:	डॉ० देवेन्द्र आर्य
१९. कबीर और जायसी	:	डॉ० शिवमूर्ति शर्मा

२. जायसी

१. तसव्वुफ अथवा सूफी मत	:	पं० चन्द्रबली पाण्डेय
२. हिन्दी-प्रेमाख्यान	:	डॉ० हरिकान्त श्रीवास्तव
३. जायसी-ग्रन्थावली (भूमिका)	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
४. पदमावत (भूमिका)	:	डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल
५. हिन्दी के सूफी प्रेमाख्यान	:	पं० परशुराम चतुर्वेदी
६. हिन्दी सूफी-काव्य की भूमिका	:	डॉ० रामपूजन तिवारी
७. सूफीमत और हिन्दी साहित्य	:	डॉ० विमल कुमार जैन
८. हिन्दी प्रेमाख्यान	:	डॉ० कमलकुलश्रेष्ठ
९. मध्ययुगीन प्रेमाख्यान	:	डॉ० श्याममनोहर पाण्डेय
१०. जायसी	:	डॉ० रामपूजन तिवारी
११. हिन्दी सूफीकाव्य का समग्र अनुशीलन	:	डॉ० शिवसहाय पाठक
१२. कबीर और जायसी	:	डॉ० शिवमूर्ति शर्मा
१३. मलिक मुहम्मद जायसी	:	डॉ० विजयदेव नारायण शाही
१४. पदमावत का काव्य-सौन्दर्य	:	डॉ० शिवसहाय पाठक
१५. पदमावत का काव्य-सौन्दर्य	:	डॉ० जगदीश सहाय
१६. जायसी के परवर्ती कवि और काव्य	:	डॉ० सरला शुक्ल

३. सूरदास

१. सूरदास	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
२. अष्टछाप और बल्लभ-सम्प्रदाय	:	डॉ० दीनदयालु गुप्त
३. महाकवि सूरदास	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
४. सूर-साहित्य	:	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
५. सूर और उनका साहित्य	:	डॉ० हरबंशलाल शर्मा
६. सूर-निर्णय	:	डॉ० प्रभुदयाल मीतल
७. भारतीय साधना और सूर-साहित्य	:	डॉ० मुंशीराम शर्मा
८. सूरदास	:	डॉ० ब्रजेश्वर वर्मा
९. सूर की काव्य-साधना	:	डॉ० गोविन्दराम शर्मा
१०. सूर की काव्य-कला	:	डॉ० मनमोहन गौतम

११. श्रीमद्भागवत और सूरसागर : वर्ण्य-विषय का तुलनात्मक अध्ययन	:	डॉ० वेद प्रकाश शास्त्री
१२. सूर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	:	डॉ० वेद प्रकाश आर्य
१३. सूरसाहित्य में पुष्टिमार्गीय सेवा-भावना	:	डॉ० धर्मनारायण ओझा
१४. सूर का शृंगार-वर्णन	:	डॉ० रमाशंकर तिवारी
१५. सूर : सन्दर्भ और समीक्षा	:	डॉ० त्रिभुवन सिंह
१६. सूर की काव्य-माधुरी	:	डॉ० रमाशंकर तिवारी
१७. सूर-काव्य-विमर्श	:	डॉ० राधिका प्रसाद त्रिपाठी
१८. सूर-काव्य-मीमांसा	:	डॉ० हौसिला प्रसाद सिंह

४. तुलसीदास

१. गोस्वामी तुलसीदास	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
२. तुलसीदास	:	डॉ० माताप्रसाद गुप्त
३. तुलसी और उनका काव्य	:	पं० रामनरेश त्रिपाठी
४. मानस की राम कथा	:	पं० परशुराम चतुर्वेदी
५. तुलसी और उनका युग	:	डॉ० राजपति दीक्षित
६. तुलसी-दर्शन	:	डॉ० बलदेवप्रसाद मिश्र
७. तुलसी का काव्य-दर्शन	:	डॉ० चन्द्रभूषण तिवारी
८. रामकथा : उद्भव और विकास	:	डॉ० कामिल बुल्के
९. तुलसी-दर्शन-मीमांसा	:	डॉ० उदयभानु सिंह
१०. तुलसी-काव्य-मीमांसा	:	डॉ० उदयभानु सिंह
११. तुलसी के काव्य में नैतिक मूल्य	:	डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा
१२. रामकाव्य-परम्पराः अनुसंधान और अनुशीलन	:	डॉ० भवगती प्रसाद सिंह
१३. राम-भक्ति में रसिक सम्प्रदाय	:	डॉ० भगवती प्रसाद सिंह
१४. राम-भक्ति साहित्य में मधुरोपासना	:	डॉ० भुवनेश्वरनाथ मिश्र
१५. तुलसी की कारायित्री प्रतिभा	:	डॉ० श्रीधर सिंह
१६. तुलसी : सन्दर्भ और समीक्षा	:	डॉ० केशव प्रसाद सिंह
१७. तुलसी की भाषा	:	डॉ० देवकीनन्दन श्रीवास्तव
१८. तुलसी-मानस : आस्था का अर्थ	:	डॉ० सूर्यप्रसाद दीक्षित

१६. तुलसी का विशेषण-विधान : डॉ० राम अँजोर सिंह

२०. तुलसी-तितीर्षा : डॉ० राम शंकर त्रिपाठी

२१. तुलसी साहित्य में बिम्ब योजना : डॉ० सुशीला शर्मा

२२. तुलसी का सौन्दर्य-बोध : डॉ० छोटेलाल दीक्षित

२३. रामचरितमानस का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ० नगेन्द्र

२४. मानस में रीति-तत्त्व : डॉ० बैजनाथ सिंह

२५. रामचरितमानस में अलंकार-योजना : डॉ० वचनदेव कुमार

२६. रामचरितमानस का काव्य-सौष्ठव : डॉ० रामकुमार पाण्डेय

२७. रामचरितमानस में भक्ति : डॉ० सत्यनारायण शर्मा

२८. रामचरितमानस और वाल्मीकि रामायण (अनु०) : डॉ० राधिकाप्रसाद त्रिपाठी

२६. मानस-पीयूष : महात्मा अंजनीनन्दनशरण

३०. मानस संख्यावाचक अन्त्याक्षरी कोश - डॉ० कामता कमलेश

५. केशवदास

१. आचार्य केशवदास : डॉ० हीरालाल दीक्षित

२. केशव का आचार्यत्व : डॉ० विजयपाल सिंह

३. केशव और उनका साहित्य : डॉ० विजयपाल सिंह

४. केशव की काव्य-कला : डॉ० कृष्णशंकर शुक्ल

५. केशव : पं० चन्द्रबली पाण्डेय

६. केशव : जीवन, कृतित्व एवं कला : डॉ० किरणचन्द्र शर्मा

७. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ० नगेन्द्र

८. रीतिकालीन काव्य-सिद्धान्त : डॉ० सूर्यनारायण द्विवेदी

६. रीतिकाव्य के स्रोत : डॉ० रामजी मिश्र

१०. रीतिकाव्य में शृंगार-निरूपण : डॉ० सुखस्वरूप श्रीवास्तव

११. केशव की भाषा : डॉ० सत्यनारायण त्रिपाठी

१२. रामचन्द्रिका का विशिष्ट अध्ययन : डॉ० गार्गी गुप्त

१३. रामचन्द्रिका में नाटकीय तत्त्व : डॉ० रामविनोद तिवारी

६. जयशंकर प्रसाद

१. जयशंकर प्रसाद	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
२. प्रसाद का काव्य	:	डॉ० प्रेमशंकर
३. जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला	:	डॉ० रामेश्वरलाल खण्डेलवाल
४. प्रसाद के काव्य का शास्त्रीय अध्ययन	:	डॉ० सुरेन्द्रनाथ सिंह
५. प्रसाद की दार्शनिक चेतना	:	डॉ० चक्रवर्ती
६. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन	:	डॉ० जगन्नाथ प्रसाद वर्मा
७. प्रसाद के तीन नाटक	:	डॉ० राजेश्वर प्रसाद अर्गल
८. प्रसाद के नाटक और भाषिक चेतना	:	डॉ० गोविन्द चातक
९. प्रसाद के नाटक और रंग-शिल्प	:	डॉ० गोविन्द चातक
१०. प्रसाद का गद्य	:	डॉ० सूर्य प्रसाद दीक्षित
११. जयशंकर प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक	:	डॉ० जगदीशचन्द्र जोशी
१२. प्रसाद का नाटक साहित्य : परम्परा और प्रयोग	:	डॉ० हरीन्द्र
१३. प्रसाद के नारी-चरित्र	:	डॉ० देवेश ठाकुर
१४. प्रसाद का सौन्दर्य दर्शन	:	डॉ० वीणा माथुर
१५. प्रसाद की विचारधारा	:	डॉ० दिनेश्वर प्रसाद
१६. प्रसाद साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	:	डॉ० प्रेमदत्त शर्मा
१७. प्रसाद साहित्य : प्रेम-तात्त्विक दृष्टि	:	डॉ० प्रभाकर श्रोत्रिय
१८. प्रसाद-साहित्य में मनोभावों का विश्लेषण	:	डॉ० इन्दुप्रभा पाराशर
१९. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ	:	डॉ० नगेन्द्र
२०. कामायनी-सौन्दर्य	:	डॉ० फतह सिंह
२१. कामायनी-अनुशीलन	:	डॉ० रामलाल सिंह
२२. भारतीय महाकाव्यों की परम्परा में कामायनी	:	डॉ० विद्या टोपे
२३. कामायनी : प्रेरणा और परिपाक	:	डॉ० रामाशंकर तिवारी
२४. कामायनी पर वैदिक साहित्य का प्रभाव	:	डॉ० कर्ण सिंह

७. निराला

१. महाप्राण निराला	:	डॉ० गंगाप्रसाद पाण्डेय
२. क्रान्तिकारी कवि निराला	:	डॉ० बच्चन सिंह
३. कवि निराला	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
४. निराला की साहित्य-साधना	:	डॉ० रामविलास शर्मा
५. निराला-काव्य का अध्ययन	:	डॉ० भगीरथ मिश्र
६. निराला : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	:	डॉ० प्रेमनारायण टण्डन
७. निराला : आत्महन्ता-आस्था	:	डॉ० दूधनाथ सिंह
८. निराला : साहित्य-सन्दर्भ	:	डॉ० प्रभात शास्त्री
९. निराला	:	ओंकार शरद
१०. निराला : साहित्य और युग-दर्शन	:	डॉ० शिवशेखर द्विवेदी
११. निराला के काव्य में बिम्ब और प्रतीक	:	डॉ० वेदव्रत शर्मा
१२. छायावादी काव्य में लोकमंगल	:	डॉ० अम्बादत्त पाण्डेय
१३. छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन	:	डॉ० कुमार विमल
१४. निराला का गद्य	:	डॉ० सूर्यप्रसाद दीक्षित
१५. छायावादी काव्य में सौन्दर्य-विधान	:	डॉ० सूर्यप्रसाद दीक्षित

८. प्रेमचन्द

१. प्रेमचन्द	:	डॉ० इन्द्रनाथ मदान
२. प्रेमचन्द और उनका युग	:	डॉ० रामविलास शर्मा
३. प्रेमचन्द : जीवन कृतित्व एवं कला	:	हंसराज रहबर
४. प्रेमचन्द : व्यक्ति और साहित्यकार	:	मन्मथनाथ गुप्त
५. प्रेमचन्द : एक कृती व्यक्तित्व	:	जैनेन्द्रकुमार
६. कलाकार प्रेमचन्द	:	डॉ० रामरतन भटनागर
७. प्रेमचन्द : घर में	:	शिवरानी देवी
८. प्रेमचन्द : कलम का सिपाही	:	अमृतराय
९. प्रेमचन्द के जीवन-दर्शन के विधायक तत्त्व	:	डॉ० कृष्णचन्द्र पाण्डेय
१०. प्रेमचन्द और गोर्की	:	शचीरानी गुर्टू
११. प्रेमचन्द साहित्य : व्यक्ति और समाज	:	डॉ० ऊषा पुरी

40, ?

१२. प्रेमचन्द के उपन्यासों में समसामयिक

१३. परिस्थियों का परिपालन : डॉ० सरोज प्रसाद

१४. प्रेमचन्द साहित्य में ग्राम्य जीवन : डॉ० सुभद्रा

१५. प्रेमचन्द के उपन्यासों में शिल्प-विधान : डॉ० कमल किशोर गोयनका

१६. प्रेमचन्द के नारी पात्र : डॉ० भारत सिंह

१७. गोदान : डॉ० इन्द्रनाथ मदान

१८. गोदान का पुनर्मूल्यांकन : डॉ० राजपाल

१६. प्रेमचन्द और गोदान : डॉ० श्रीराम वशिष्ठ

२०. गोदान के अध्ययन की समस्याएँ : डॉ० गोपाल राय

२१. प्रेमचन्द ओर उनकी कहानी-कला : डॉ० सत्येन्द्र

२२. हिन्दी का गद्य साहित्य — डॉ० रामचन्द्र तिवारी

२३. रामचन्द्र शुक्ल — "

२४. रामचन्द्र शुक्ल — मलयज

२५. रामचन्द्र शुक्ल संचयन — सं. डॉ० नामवर सिंह

चतुर्थ प्रश्नपत्र : निबन्ध अथवा लघुशोध-प्रबन्ध

पूर्णांक : ५०+५० =१००

विशेष - लघुशोध प्रबन्ध केवल ऐसे संस्थागत छात्र/छात्रा ले सकेंगे जिन्होंने एम०ए० (पूर्वार्द्ध) की परीक्षा में ६० प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किये हों। विषय की अनुमति स्नातकोत्तर हिन्दी-विभाग का वरिष्ठतम ऐसो० प्रोफेसर (उपाचार्य) देगा। यह निबंध के विकल्प के रूप में चयनित किया जा सकेगा।

नोट : निबन्ध का प्रश्न पत्र दो खण्डों में होगा। प्रत्येक खण्ड के अंक समान (५०+५०=१००) होंगे और दोनों खण्डों से एक-एक निबन्ध लिखना अपेक्षित होगा।

खण्ड (क) साहित्यिक निबन्ध -५० अंक
खण्ड (ख) समसामयिक सामाजिक निबन्ध -५० अंक

सहायक ग्रन्थ :

साहित्यिक निबन्ध	:	डॉ० त्रिभुवन सिंह
साहित्यिक निबन्ध	:	डॉ० प्रतापनारायण टण्डन
साहित्यिक निबन्ध	:	डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
साहित्यिक निबन्ध	:	डॉ० गोविन्द त्रिगुणायत
ललित की खोज में	:	डॉ० रमाशंकर तिवारी
चेतना के रंग	:	डॉ० रामशंकर त्रिपाठी
निबन्ध-संचयन	:	डॉ० राजेन्द्रप्रसाद श्रीवास्तव
साहित्य-सरोवर	:	डॉ० गोपीनाथ तिवारी

पंचम प्रश्न पत्र : मौखिकी पूर्णांक : १००

एम० ए० उत्तरार्द्ध - हिन्दी

प्रथम प्रश्नपत्र - आधुनिक काव्य

(२०१८-१९ की परीक्षा से और उसके आगे।) पूर्णांक - १००

अंकविभाजन - व्याख्या - तीन - ३० अंक (३×१०)
लघुउत्तरीय प्रश्न - पाँच - ४० अंक (५×८)
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न - दो - ३० अंक (२×१५)

निर्धारित कवि और काव्य

१- मैथिलीशरण गुप्त - साकेत - नवम सर्ग
२- जयशंकर प्रसाद - कामायनी - इड़ा सर्ग
३- सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' - सरोज स्मृति, राम की शक्ति पूजा
४- सुमित्रानंदन पंत - परिवर्तन, नौका विहार
५- सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' - असाध्य वीणा
६- मुक्तिबोध - अँधेरे में

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक काव्य
सम्पादक : (१) डॉ० प्रभाकर मिश्र, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, आ० न० दे० किसान पी० जी० कालेज, बभनान, गोण्डा
(२) डॉ० विमलेश कुमार मिश्र, हिन्दी विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।

द्रुत पाठ हेतु :- अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध', डॉ० हरिवंश राय बच्चन, तथा धर्मवीर भारती का अध्ययन अपेक्षित होगा। इन पर केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे। व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न केवल मूलपाठ से पूछा जायेगा।